सही बातें मेहनत

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक
समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
मेहनत

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
मेहनत

नासमझी भरी घंटों की बातें
ज़्यादा कीमती नहीं हैं;
मगर
समझदारी भरी छोटी सी बात भी
बहुत कीमती है;
क्योंकि
वो आपकी
ज़िंदगी बदल सकती है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

नासमझ लोग
और
उनकी बातों से
बहुत दूर रहें,
क्योंकि
वो आपके ज्ञान को
विकृत कर देते हैं,
समझदार लोग
और
उनकी बातों से जुड़े रहें
वो आपके ज्ञान को
विकसित कर देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अगर आप किसी का
कुछ नहीं बिगाड़ेंगे,
तो आपका भी
कुछ नहीं बिगड़ेगा,
क्योंकि
किसी और का नहीं
अपना किया ही
आपको भोगना पड़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

जिस काम को करने में
या करने के बाद पछताना पड़े,
तो समझ लेना
वही गलत काम है
और
यह मानना...
आपने अपने पैर में
खुद कुल्हाड़ी मार ली है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सरलता से
हासिल की गई चीज़ें
जल्दी गुम जाती हैं,
पर
कठिनाईयों से
हासिल की गई चीज़ें
लंबे समय तक नहीं गुमती हैं;
कारण कुछ खास नहीं है
जिसे आने में समय लगता है
उसे जाने में भी समय लगता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दूसरों की ताकत
और
पैसों पर
कभी भरोसा मत करो,
अपनी ताकत पर भरोसा रखो
और काम करो;
दूसरों का क्या
वो तो कभी भी धोखा दे जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

जीवन में
आने वाले अवसरों को
कस के पकड़ें,
क्योंकि
अवसर
नदी के पानी की तरह होता है
एक बार निकल जाने पर
दूसरा ही मिलता है,
वो भी पुण्य हुआ तो ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सभी दु:खों का मूल
अज्ञान ही है
अगर
आपके पास
ज्ञान नहीं है
तो आपका जन्म बेकार है;
बिना ज्ञान का जीवन
बिना जल की नदी के समान है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर आपके शब्दों से
दूसरों के दिल को
ठेस पहुँचती है,
तो अपने शब्दों को
अपशब्द (गाली) की तरह
शस्त्र की तरह ही समझना;
क्योंकि
वे दूसरों के दिल में
घाव कर रहे हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

खुद को
सही साबित करने के लिये
दूसरों को गलत साबित करना
सही नहीं है,
माना कि
आप खुद को
सही साबित कर भी लें;
पर
आप रहेंगे तो गलत ही...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो गिरता है
वही निडर होकर ऊँचा जाता है,
क्योंकि
उसे गिरने का
अभ्यास हो चुका है;
लेकिन
जो गिरा ही नहीं
वह अगर उठकर गिरता है
तो टूट जाता है,
उसे गिरने का अभ्यास नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

भगवान को
मानने के साथ–साथ
भगवान की भी मानिये,
क्योंकि
भगवान को मानने के साथ–साथ
भगवान की मानने से ही
आप भगवान बन पायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

जो लोग दूसरों पर
क्रोध करने के विचार करते रहते हैं,
वो लोग
दूसरों का नहीं
अपना ही नुकसान करते रहते हैं;
क्योंकि
गरम तवे को
जब तक पकड़े रहेंगे
तब तक स्वयं जलते रहेंगे ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिन्हें भी जीत की चाह हो
वे गलतियों से नहीं डरें
उनसे सीख लें,
क्योंकि
हर एक गलती
आपको जीत का
एक नया रास्ता सिखाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही काम करके मर जाना
सही है,
पर
गलत काम करके जीते रहना
गलत है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

आज कल
लोग अपने बच्चों को
पैसे ज़्यादा
और
समय कम देते हैं,
मेरा सोच है
पैसे कम
और
समय ज़्यादा देना चाहिये;
क्योंकि
संस्कार
पैसों से नहीं खरीदे जाते हैं
वो तो
माता-पिता ही दे पाते हैं... श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आज तक
जितने भी लोगों ने
विद्या बाँटी है,
उनके पास
विद्या कई गुनी लौटकर आती है;
ध्यान रखें-
विद्या देने से बढ़ती है
और
छिपाने से घटती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

आप लोग
कथायें तो बहुत सुनते हैं,
पर
गुनते एक भी नहीं हैं,
अगर
एक कथा भी आपने गुन ली;
तो निश्चित मानिये
लोग आपकी कथा करना
प्रारंभ कर देंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्रकृति को मत छेड़िये
वह जैसी है
उसे वैसी ही रहने दीजिये,
ध्यान रखें –
जिस दिन प्रकृति ने
आपको छेड़ दिया
आप मुश्किल में पड़ जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

जब तक
मेरे–तेरे का भाव है,
तब तक
सब कुछ होने पर भी
तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है
और
जिस दिन
मेरे–तेरे का भाव गया,
समझ लेना
कुछ न होने पर भी
सब कुछ तुम्हारा हो गया...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

जिनके भी अंदर
मैं और मेरे का भाव जाग्रत है
उनका विकास होना
बड़ा कठिन है,
क्योंकि
बड़ी–बड़ी इमारतें
सिर्फ ईंटों से नहीं बनती;
लोहे और सीमेन्ट की
मदद से ही बनती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

तकदीर पर
भरोसा तो रखो,
मगर
तकदीर पर
आश्रित मत रहो,
अगर आप
तकदीर पर आश्रित रहोगे;
तो खुद से भरोसा उठ जायेगा ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिनसे भी मिलें
उनसे कुछ–न–कुछ बातें
जरूर सीखें,
क्योंकि
आज के दौर में लोग
सब कुछ नहीं जानते;
मगर
कुछ–न–कुछ
हर कोई जानता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अपने दिमाग को हर वक्त
मज़बूत बनाकर रखें,
वक्त का
कोई भरोसा नहीं है;
वो कभी भी
आप पर हावी होकर
आपको कमज़ोर बना सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर
किसी काम की शुरूआत
आपसे बिगड़ जाये
तो घबराना नहीं,
समझ लेना
विघ्न पहले निकल चुके हैं;
अब रास्ता एकदम साफ है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

खुद को साबित करने के लिये
समय नहीं
बुद्धि होना चाहिये,
जिनके पास
ज़्यादा बुद्धि होती है
वे लोग कम समय में भी
खुद को साबित कर देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

कुछ विरले ही लोग होते हैं
जिनके पास
बचपन से पचपन तक
समय, संपत्ति और शक्ति
एक साथ होते हैं ,
ज़्यादातर लोगों के पास
बचपन में संपत्ति नहीं होती,
यौवन में समय नहीं होता,
और
पचपन में शक्ति नहीं होती...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो भी लोग
दूसरों को पीड़ा पहुँचाते हैं
वो लोग
पीड़ित से अधिक पीड़ा के अधिकारी हैं;
सही बात है–
बैंक भी आपकी जमा पूँजी को
ब्याज सहित ही लौटाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

नज़रिये के साथ–साथ
विचारों में भी
सकारात्मकता की आवश्यकता है,
सकारात्मक नज़रिये से
सब आपको अच्छे लगेंगे
और
सकारात्मक विचारों से
आप सबको अच्छे लगेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

बहुत सी चीज़ें
आसानी से मिल जाती हैं
और
बहुत सी चीज़ों के लिये
मेहनत करनी पड़ती है,
पर
टिकती वही है
जिसकी आप कद्र करते हैं ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

आप जितना
दूसरों पर निर्भर रहेंगे
आपको
उतनी अधिक संक्लेशता रहेगी,
आप जितना
खुद पर निर्भर रहेंगे
आपको
उतनी अधिक शान्ति रहेगी;
यह जीवन का सूत्र है
अब आप जो चाहते हैं
वो करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अगर
सही होने पर भी
आपकी आलोचना बढ़े
तो समझ लेना
आपकी उपलब्धियाँ बढ़ रही हैं,
सही बात है–
पत्थर भी
उसी पेड़ पर मारे जाते हैं;
जिसमें फल लगे होते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

बच्चों के
शारीरिक विकास के साथ-साथ
उनके मानसिक विकास पर भी
जोर डालिये,
क्योंकि
शरीर घड़ी की तरह है
दिमाग शैल की तरह है
और
बिना शैल की घड़ी
किसी काम की नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

आपके निर्णय
अगर बच्चों पर
बोझ की तरह हैं,
तो अपने निर्णय को
आज ही बदल दें;
कहीं ऐसा न हो जाये
उस बोझ में दबकर
आपके बच्चे मर जायें
और
आप सिर्फ
देखते ही रह जायें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

किसी की भी
वर्तमान स्थिति को देखकर
उसके भविष्य का
अंदाज़ तो जरूर लगाइये,
पर
उसका उपहास कभी मत उड़ाइये;
समय
तास के पत्तों की तरह है
क्या पता ?
कब कौन–सा पत्ता निकल जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मेहनत

जिनके अंदर विशुद्धि रहती है
उन्हें सिद्धि और प्रसिद्धि भी
जरूर मिलती है,
इसलिये
जिन्हें भी
सिद्धि-प्रसिद्धि चाहिये;
उन्हें कषाय नहीं
विशुद्धि बढ़ाना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

सरलता हो भावों में
कठोरता हो परिश्रम में
और
सहजता हो स्वभाव में
तो जीत आपके हाथ में...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर आप
सुखी होना चाहते हैं
तो आज से ही
पसंदीदा चीज़ों के पीछे
भागना बंद कर दें
और
जो चीज़ें आपके पास हैं
उन्हें देखना प्रारम्भ कर दीजिये;
सुख आना भी
प्रारम्भ हो जायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गलती होना बुरा नहीं है
गलतियों को न स्वीकारना बुरा है,
अकसर लोग
अपनी गलती न स्वीकार कर
एक नयी गलती कर बैठते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

कुछ लोग
दिल टूटने पर रोते हैं
और
कुछ लोग
टूटे हुये दिल के साथ
जीना सीखते हैं,
रोने वाले
कुछ नहीं कर पाते हैं;
मगर
जीने वाले दुनिया जीत जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

धन का होना
बड़ी बात नहीं है
धन को देने की इच्छा होना
बहुत बड़ी बात है,
धन तो
बहुतों के पास होता है;
मगर
दे वो ही पाते हैं
जिनका दिल बड़ा होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

हर निर्णय
कुछ-न-कुछ देकर अवश्य जाता है,
गलत निर्णय अनुभव बढ़ाता है
और
सही निर्णय आत्म-विश्वास...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जितनी खुशी
लेने पर होती है
उससे कई गुनी अधिक खुशी
देने पर होती है,
यह बात
वही समझ पायेगा;
जो लेना कम
और
देना ज़्यादा जानता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

अपने जीवन में
कुछ-न-कुछ नियम अवश्य बनायें
और
उन पर अवश्य चलें,
अगर आप
ऐसा नहीं कर पाये;
तो निश्चित मानिये
एक दिन आपको
दूसरों के बनाये नियमों पर
चलना पड़ेगा ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अपने जीवन को
सुन्दर सरोवर की तरह बनायें
जिसे देखकर
सभी का मन प्रसन्न हो जाये,
नाकि
किसी दल-दल की तरह बनायें
जिसे देखकर
लोग डरकर भाग जायें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब कोई व्यक्ति
आपकी ज़िंदगी से
चला जाता है,
तो लोग आपको
यही समझाते हैं कि
किसी के जाने से
ज़िंदगी नहीं रुकती;
मगर
यह बात कोई नहीं समझता कि-
किसी एक की कमी
हज़ारों लोग मिलकर भी
पूरी नहीं कर सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अच्छे कामों को करने में
नहीं सोचिये
उन्हें तो तुरन्त करिये
और
दुनिया क्या कहेगी?
इसकी चिंता भी मत कीजिये,
दुनिया का काम तो है ही कहना;
वह तो हरदम
कुछ न कुछ कहती ही है
चाहे आप कुछ करें या न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

कुछ लोगों के जीवन में
उम्र के साथ-साथ
दुःख भी बढ़ते जाते हैं,
जब मैंने उसका कारण ढूँढ़ा
तो मुझे यही समझ में आया
उम्र के साथ-साथ
इच्छायें भी बढ़ रही हैं
इसलिये
दुःख भी बढ़ रहे हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

मेहनत

अगर आप
अपने सारे निर्णय स्वयं लेते हैं
और
उन निर्णयों के
फल का दोष भी स्वयं को देते हैं,
तो आप
साहसी भी हैं
और
सच्चे भी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

हर वक्त
हर किसी के प्रति
अच्छी भावना रखें,
मैं जानता हूँ
हमारे सोचने से
किसी का अच्छा-बुरा नहीं होगा,
मगर
दूसरों का अच्छा सोचने से
हमारा अच्छा जरूर होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अगर आप
भगवान से प्रार्थना करते हैं,
तो आपका नाम
अच्छे लोगों में आयेगा
और
अगर आप दूसरों की मदद
उनकी प्रार्थना के बिना करते हैं;
तो आपका नाम
सबसे अच्छे लोगों में आयेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

बुढ़ापे में जो साथ दे
वही सच्ची संतान है,
मुश्किलों में जो साथ दे
वही सच्चा साथी है,
कंगाली में भी जो साथ दे
वही सच्ची पत्नी है,
जरूरत में जो साथ दे
वही सच्चा संबंधी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जितना
गरीबी आपको सिखाती है
उतना
अमीरी कभी नहीं सिखा पाती है,
इस मायने से
गरीबी अच्छी है
और
अमीरी बेकार है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

उम्र बढ़ते ही चेहरे पर
मुस्कुराहट घट जाती है
और
भावों में
कुटिलता बढ़ जाती है,
शायद इसीलिये
उम्र बढ़ने पर
हर कोई यही सोचता है
हम छोटे ही ठीक थे ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

कुछ चीज़ें
माता-पिता आपको देते हैं
और
कुछ चीज़ें
आप माता-पिता को देते हैं,
उन्होंने आपको
जीवन के प्रारम्भ में दिया था
और
आपका कर्तव्य है
आप उन्हें
जीवन के अंत तक दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब जन्म होता है
तब माता–पिता
बच्चों के पास रहते हैं,
उनके बड़े होने पर
उन्हें प्रतिदिन मंदिर ले जाते हैं;
मगर
न जाने
बच्चे ये सब क्यों भूल जाते हैं
और
अपने वृद्ध माता–पिता को
न तो पास में रखते हैं
न ही मंदिर ले जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अच्छी बातें
और
अच्छे लोगों को पढ़ना
हर किसी को नहीं आता,
मगर
जो इन्हें पढ़ ले
फिर उसे
कुछ पढ़ने की जरूरत नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आपके शब्द
दूसरों पर
तभी असर करते हैं,
जब आप उनमें
प्यार के रंग डालते हैं
वरना
बिन धागे की सुई की तरह
वे सिर्फ चुभेंगे;
लेकिन
कुछ सिल नहीं पाते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

किसी गलत काम को देखने पर
अगर आप
कुछ प्रतिक्रिया नहीं देते हैं
तो उस काम में
आपका समर्थन माना जाता है;
इसलिये
कभी भी हो
गलत काम पर प्रतिक्रिया जरूर दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अच्छे बनना
अच्छी बात है,
पर
जब उस अच्छाई का
लोग गलत फायदा उठाने लगें
तब अच्छे तो बने रहें;
लेकिन
गलत होने से जरूर रोकें ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

व्यापार के लिये
दिमाग का प्रयोग करें
और
परिवार के लिये
दिल का,
क्योंकि
दिमाग से
पैसे कमाये जाते हैं
और
दिल से
रिश्ते बचाये जाते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

ज़्यादातर भाई–बहन
जब तक झगड़ें न
तब तक उनका
दिन पूरा ही नहीं होता,
बहुत सोचने पर
मुझे इसका उत्तर मिला –
जिससे प्यार होता है
उसी से झगड़ा होता है
और
जिससे प्यार नहीं होता
उसी से लड़ाई होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

आपके रोने पर
जो आपकी हसी उड़ाये
उस पर विश्वास मत करना,
जो रोने लगे
उसका सहारा मत लेना
जो गंभीर रहे
उसकी सलाह लेना;
जो मुस्कुराये
और
आपको खुश कर दे
उसे मित्र बना लेना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिसे भी सम्मान की चाह है
उसे पहले
सम्मान देना सीखना चाहिये,
अगर आप
सम्मान देना नहीं जानते
तो उसके मिलने की भी
उम्मीदें न करें;
क्योंकि
दिये बिना आज तक
न कुछ मिला है
न ही मिलेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

हार
ज़िंदगी का अंत नहीं है,
वह तो
ज़िंदगी के रास्ते में आया हुआ
एक मोड़ है;
ध्यान रखें –
मोड़ आने पर समझदार लोग
वाहन बंद नहीं करते
गति धीमी करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

कुछ आप
ज़िंदगी से लेते हैं
और
कुछ ज़िंदगी
आप से लेती है,
ज़िंदगी के प्रारम्भ में
आप उससे
जितना लेना चाहे ले लें;
क्योंकि
जब ज़िंदगी लेना चालू करती है
तो वह साँसें भी ले लेती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब आपको
किसी की गलतियाँ दिखें
तो दूसरों को कहने की जगह
गलती करनेवाले से ही कहें,
क्योंकि
गलती करनेवाले को बतलाने से
गलतियों का समापन होता है
और
दूसरों को बताने से
गलतियों का प्रचार होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो लोग मुसीबतों में
आपका साथ छोड़ दें,
उन्हें गाली नहीं
शुक्रिया अदा करें;
क्योंकि
उन्होनें आपको
खुद के पैरों पर खड़े होने का
सुनहरा मौका दिया है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

इस दुनिया में
मुझे ज़्यादातर लोग
दुःखी ही मिले,
कुछ खुद के दुःख से दुःखी हैं,
तो कुछ दूसरों के दुःख से
और
कुछ दूसरों के सुख से दुःखी हैं;
तो कुछ
बिना वजह ही दुःखी हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अकसर हमें धोखा
भाग्य देता है
और
हम दोष
भगवान को देते हैं,
इसलिये हम
ऊपर उठने की जगह
नीचे ही गिरते जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

किसी से कुछ भी बोल पड़ना
बहुत सरल है,
पर
उसी वाक्य को
स्वयं के लिये सुनना
बहुत कठिन है,
जब भी आप
किसी से कुछ भी बोलें
तो पहले यह अवश्य सोचें;
ये वाक्य
मुझे कैसा लगेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सफल होने के लिये
रास्तों को नहीं
अपनी चाल को देखिये,
कई बार
रास्तों को देखने से
चाल गड़बड़ हो जाती है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दिल से की गई सेवा के बदले
लोग आपको दुआयें देते हैं
और
दिमाग से की गई सेवा के बदले
लोग आपको पैसा देते हैं,
मगर
कीमती दुआयें हैं;
क्योंकि
दुआयें कभी
पैसों से नहीं खरीदी जा सकती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

लौकिक शिक्षा के लिये
दिमाग और पैसा
दोनों देना पड़ते हैं,
पर
संस्कारों की शिक्षा के लिये
सिर्फ और सिर्फ
माता-पिता-गुरु को
समय देना पड़ता है;
शायद इसीलिये
लौकिक शिक्षा से महत्त्वपूर्ण शिक्षा
संस्कारों की शिक्षा है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सफलताओं को
सीधे रास्तों में मत खोजना,
वो तो
टेड़े-मेड़े रास्तों में ही मिलती है;
अगर
सीधे-सीधे चलकर
सफलता मिलती होती तो
हर कोई सफल हो जाता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब बुद्धि स्थिर रहेगी
तभी चिंतन बढ़ेगा
और
जब चिंतन बढ़ेगा
तभी लक्ष्य मिलेगा,
लक्ष्य तक जल्दी पहुँचना हो
तो शरीर की जगह
बुद्धि को स्थिर रखो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

किसी भी काम को करने के पहले
सोचें तो,
पर
ज़्यादा नहीं सोचें;
कई बार
ज़्यादा सोचने से भी
बनते काम बिगड़ जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

भले ही कोई आपको
बार-बार धोखा क्यों न दे,
पर
आप उसे
एक बार भी धोखा मत देना;
क्योंकि
धोखा देनेवाले
धोखेबाज़ कहलाते हैं
और
धोखा सहनेवाले
जाबाज़ कहलाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिनके अंदर
भाईचारा नहीं है,
उनका भाई बनकर जीना
किसी काम का नहीं है;
अगर
आप अच्छा जीवन चाहते हैं
तो भाईचारा भी सीखिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर
बहुत मेहनत करने पर भी
आपको सफलता न मिले,
तो मेहनत को मत कोसना;
क्योंकि
धोखा मेहनत ने नहीं
भाग्य ने दिया है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब कोई आपको गाली दे
और
उसके बदले आप उसे
सुन्दर सी मुस्कुराहट दें
तो अपनी पीठ ठोक लेना,
अब आप
तारीफ के काबिल हो गये हैं
और
अगर आप भी गाली दें
तो अपने आपसे कहना
वह सही कर रहा है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अच्छाई
और
बुराई की लड़ाई में
अच्छाई कभी नहीं हारती,
समय भले ही लग सकता है;
पर
बुराई के सामने
एक दिन अच्छाई को
झुकना ही पड़ता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आँखें बंद होने के पहले
यह जरूर जान लें,
आपको जाना कहाँ है,
अगर यह बात
आपको समझ में आ गई
तो आँख बंद होने पर भी
आप लोगों को दिखते रहेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

जीवन की राहों में
चाहे काँटे आयें या फूल
चलना कभी नहीं छोड़ना,
बस जीत के लिये
चलने का तरीका बदल देना;
यह सलाह जिसने मान ली
उसकी विजय निश्चित है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सच्चाई का साथ देने पर
आपको भीड़ नहीं मिलेगी,
शौहरत भी नहीं मिलेगी,
यहाँ तक की
नाम भी नहीं मिलेगा,
मगर
मेरा विश्वास है;
सच्चाई का साथ देने पर
परमात्मा जरूर मिलेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सत्य बोलने के पूर्व
बहुत सोचना चाहिये,
क्योंकि
जीवों का हित ही प्रयोजनीय है
वचनों का आलाप
प्रयोजनीय नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

वे ही वचन बोलें
जो हितकारी हों,
प्रिय होने पर भी
जो अहितकारी हों
ऐसे वचन नहीं बोलें,
क्योंकि
ऐसे वचन
वचन नहीं विष हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जीते हुये व्यक्ति की
प्रशंसा की अपेक्षा
हारे हुये व्यक्ति के लिये
सहानुभूति देना चाहिये,
क्योंकि
वह अकेला है
और
उसे आपकी जरूरत है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मेहनत

शब्दों की शक्ति बहुत विशाल है
शब्द हसते को
रुला देते हैं,
शब्द रोते को हसा देते हैं,
शब्द इंसान को
भगवान बना देते हैं,
शब्द ही इंसान को
शैतान बना देते हैं,
इसलिये
पहले विचारें फिर बोलें
और
ऐसे ही शब्द कहें
जो स्व-पर उपकारी हों...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सपनों को
वे ही साकार कर पाते हैं
जो सपने
देखने के साथ-साथ
पुरुषार्थ भी करते हैं,
क्योंकि
मात्र बिजली की रोशनी से
मन का अंधकार नहीं मिटता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मेहनत

अपने से छोटे को
हीन मत समझो,
क्योंकि
जीवन में हर व्यक्ति का
अपना–अपना एक स्थान है;
ठीक ही है–
वाहन में छोटे–बड़े
दोनों ही पुर्जे होते हैं,
जब सब
अपने स्थान पर होते हैं,
तभी वाहन चल पाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर